IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति शिक्षकों में जागरूकता का अध्ययन

प्रोफेसर मान सिंह

शिक्षाशास्त्र विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ई .वि.वि. प्रयागराज

अनिकेत कुमार सिंह

शोध–छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ई .वि.वि. प्रयागराज

शोध–सार– भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यापक रूप से प्रस्तुत किया है। इसकी व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के ड्राफ्ट को तैयार करने के लिए 2 लाख से अधिक सुझाव लिए गए थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अध्यक्ष डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन हैं। इस शोध पत्र का उद्देश्य प्रयागराज जनपद में कार्यरत प्राथमिक स्तर के शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा से संबंधित प्रावधानों के प्रति जागरूकता का पता लगाना है। प्रस्तुत अध्ययन के लिए शोधकर्ता ने सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है। आंकड़ों का चयन करने के लिए साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्श का प्रयोग कर 100 प्राथमिक स्तर के शिक्षकों का चुनाव किया गया है। यहाँ उपकरण के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों से संबंधित (30) प्रश्नों को तैयार किया गया है, जो एक बहुविकल्पीय प्रश्नावली है। जागरूकता एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक प्रत्यय है, जो घटनाओं, तथ्यों आदि को समझने एवं जानने की अवधारणा है। शिक्षकों को नवीन तथ्यों आदि के बारे में हमेशा से जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि जब शिक्षक जागरूक रहेंगे, तो ही छात्रों को सिखाने में समर्थ होंगे। इस उद्देश्य को आत्मसात करते हुए इस शोध पत्र में प्राथमिक स्तर के शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्राथमिक शिक्षा के वर्णित प्रावधानों के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया गया है।

की वर्ड्स – **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, आधारिक, उपक्रमात्मक, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा**

प्रस्तावना – शंकराचार्य के अनुसार– सा विद्या या विमुक्तये (विष्णु पुराण) अर्थात शिक्षा मानव के मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा मानव क्षमता को अधिकतम ऊँचाई तक ले जाने में सक्षम है। यह मानव समाज के विकास एवं राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर सभी का अधिकार है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य लक्ष्य है कि शिक्षा की पहुँच सभी तक हो तथा इसकी गुणवत्ता भी बनी रहे। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में यह ध्यान दिया गया है कि शिक्षा को सभी के लिए एक समान रूप से उपलब्ध होना चाहिए। इसके लिए शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण हो, वाहनीयता के साथ सभी की इस पर पहुँच हो एवं जवाबदेही को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तैयार किया गया है। प्राथमिक स्तर की शिक्षा बालकों में नींव की भाँति कार्य करती है, जिसका मजबूत होना आवश्यक है, जैसे एक भवन के निर्माण के समय उसकी नींव को मजबूत बनाया जाता है, जिससे नींव भवन के भार को वहन कर सके। इसी प्रकार प्राथमिक स्तर की शिक्षा बालकों के लिए एक आधार होती है और इसलिए इस आधार का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। अगर प्राथमिक स्तर की शिक्षा को सुदृढ़ न किया गया, उस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो शिक्षा के स्तर जो प्राथमिक शिक्षा के पश्चात छात्र को दिया जाएगा, वह उसके लिए एक समस्या बन जाएगी।

इसलिए प्राथमिक स्तर का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। भारत देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1968), कोठारी आयोग (1964.66) के सुझाव पर बनी। तत्पश्चात, द्वितीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति सन् 1986 में देश को एक सुव्यवस्थित राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्राप्त होती है। तृतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति का आगमन 2020 में होता है, जो कि एक दीर्घ समय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश को प्राप्त हुई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 को ध्यान से देखा जाए तो हम पाते हैं कि यह नीति एक व्यापक बाल विकास कार्यक्रम पर प्रकाश डालती है, जो शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक विकास के साथ–साथ आहार और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती है। प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। स्वास्थ्य पहल को प्राथमिक शिक्षा के साथ मिला दिया जाएगा, जिससे इसके बाल–केंद्रित दृष्टिकोण में वृद्धि होगी। एकीकृत बाल विकास सेवा कार्यक्रम के अनुरूप, बच्चों की देखभाल और पूर्व–प्राथमिक शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा, किंतु इसमें उत्तर शैशवावस्था के बालकों को शिक्षा व्यवस्था में स्थान नहीं प्राप्त होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में 2 लाख से अधिक सुझाव लिए गए हैं, जिसके कारण सन 1986 की शिक्षा नीति की तुलना में बहुत बदलाव देखने को मिलते हैं, जैसे कि एनईपी 2020 में शैक्षणिक संरचना में बदलाव कर 5+3+3+4 कर दिया गया है। जिसमें प्रथम 5 वर्ष को आधारिक कहा गया है, इसमें प्रथम 3 से 6 वर्ष के बालकों के लिए 3 वर्ष की प्री–स्कूल की व्यवस्था है, जिसमें 6 वर्ष की आयु में उन्हें कक्षा 1 में प्रवेश मिल जाएगा। इस प्रकार 3 वर्ष की प्री–स्कूल और 2 वर्ष कक्षा एक एवं दो में बालक पढ़ सकेंगे। उसके पश्चात के 3 वर्ष को उपक्रमात्मक (Preparatory) कहा गया, यहाँ से बालक कक्षा 3 से 5 तक की पढ़ाई कर सकेंगे। इस प्रकार अब बालक 3 वर्ष की आयु से ही शैक्षणिक ढांचे में आ जाएंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 4 भागों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रथम भाग विद्यालय शिक्षा है, द्वितीय भाग उच्चतर शिक्षा, तृतीय भाग अन्य केंद्रीय विचारणीय मुद्दे तथा चतुर्थ भाग क्रियान्वयन रणनीति है। विद्यालय शिक्षा में कुल 8 अध्याय हैं, जिसमें प्राथमिक शिक्षा से लेकर माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रावधान हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मुख्यतः प्रत्यय को समझना, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, आवश्यक विषयों, कौशलों का एकीकरण, शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण सुधार के साथ नियमित रचनात्मक आकलन पर ध्यान दिया गया है। इसी प्रकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कई प्रावधान हैं, जिसका ज्ञान होना सभी के लिए जरूरी है। एक कुशल, प्रभावशाली तथा योग्य शिक्षक के चारों ओर शिक्षण प्रक्रिया घूमती है। शिक्षक छात्रों को निखार कर उनके अंतर्निहित शक्तियों से परिचय कराते हैं। अभिभावक के पश्चात शिक्षक ही ऐसे व्यक्ति हैं जो छात्रों की अल्प आयु से उनके संपर्क में आ जाते हैं, तथा शिक्षण प्रक्रिया के सभी स्तरों पर वे छात्रों को उनकी वास्तविकता से परिचय कराते हुए उनका विकास करते हैं। शिक्षकों के लिए इसका ज्ञान होना जरूरी हो जाता है कि वे (शिक्षक) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की नियमावली के प्रति जागरूक रहें। इस शोध पत्र में प्रयागराज जनपद में कार्यरत शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के भाग प्रथम के प्राथमिक शिक्षा से संबंधित नियमावली के बारे में कितने जागरूक हैं, यह जानने का प्रयास किया गया है।

सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षण

कुमार, एच. (2022). ने शोध अध्ययन उच्च शिक्षा स्तर पर कार्यरत शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया, जिसमें पाया गया कि 77 प्रतिशत शिक्षक (सहायक प्रोफेसर, व्याख्याता और सहायक शिक्षक) एनईपी 2020 के बारे में जानते थे। हालांकि, 18 प्रतिशत उत्तरदाताओं को पिछली शिक्षा नीति की जानकारी नहीं थी और 17 प्रतिशत शिक्षक मसौदा समिति के अध्यक्ष का नाम नहीं जानते थे। 82 प्रतिशत प्रतिभागी एनईपी 2020 के मूल सिद्धांतों से परिचित थे, और 88 प्रतिशत शिक्षण संकाय इसकी विशेषताओं से अवगत थे, लेकिन 60 प्रतिशत उत्तरदाता एनईपी 2020 के उद्देश्यों के बारे में भ्रमित थे। एम.एच.आर.डी. का नया नाम 'शिक्षा मंत्रालय' होने की जानकारी केवल 66 प्रतिशत उत्तरदाताओं को थी। नई स्कूली शिक्षा संरचना को 81 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पहचाना। 2030 से बी.एड. कोर्स को 4 साल का एकीकृत करने और 2040 तक सभी शैक्षणिक संस्थानों को बहुविषयक बनाने के बारे में केवल 59 प्रतिशत और 30 प्रतिशत शिक्षक क्रमशः जानते थे। 360–डिग्री बहुआयामी मूल्यांकन पद्धति से 35 प्रतिशत उत्तरदाता अनभिज्ञ थे और 75 प्रतिशत उत्तरदाता एनपीएसटी के बारे में नहीं जानते थे। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के बारे में केवल आधे शिक्षक इसके उद्देश्य से परिचित थे। 80 प्रतिशत शिक्षक कक्षा 8 से व्यावसायिक शिक्षा की शुरुआत

की जानकारी रखते थे, और 70 प्रतिशत शिक्षक मूल्यांकन केंद्र के नाम से परिचित थे। अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि शिक्षकों को एनईपी 2020 के बारे में सतही जानकारी है।

मरुथावानन, (2022) ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता 50 प्रतिशत से कम रही है। लिंग के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता में पुरुष शिक्षक अधिक जागरूक हैं। निवास स्थान के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता में शहरी शिक्षक अधिक जागरूक पाए गए हैं। प्रबंधन के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता में सरकारी स्कूल के शिक्षक अधिक जागरूक हैं। सेवारत शिक्षकों में 10 वर्ष से अधिक एवं 10 वर्ष से कम समय से कार्यरत शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता में 10 वर्ष से कार्यरत शिक्षक अधिक जागरूक पाए गए हैं। संयुक्त परिवार एवं एकाकी परिवार के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता में संयुक्त परिवार अधिक जागरूक पाया गया है।

महेंद्रप्रबु, और मूक्कि, एम. (2021). ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता लिंग, स्थान और प्रबंधन के प्रकार से औसत है। लिंग के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की जागरूकता के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों में महिला शिक्षकों की तुलना में अधिक जागरूकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की जागरूकता और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच स्थान के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। शहरी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में ग्रामीण शिक्षकों की तुलना में अधिक जागरूकता है। प्रबंधन के प्रकार के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की जागरूकता के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। सरकारी स्कूल शिक्षकों में स्ववित्तपोषित शिक्षकों की तुलना में अधिक जागरूकता है।

सरस्वथी, आर. और नागावल्लि, टी. (2020). ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि शिक्षकों एवं कॉलेज के छात्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता का स्तर माध्यम रहा। लिंग के आधार पर पुरुष प्रतिभागियों ने महिला प्रतिभागियों से अधिक अंक प्राप्त किए।

सोन्धिया, एल. आर. (2022). ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि लिंग के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता को लेकर विद्यालयी शिक्षकों में काफी अंतर है। महिला स्कूल शिक्षिकाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति अधिक जागरूकता पाई गई है। सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूल शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता में कोई अंतर नहीं है।

समस्या कथन – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति शिक्षकों में जागरूकता का अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य

1–प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूकता के स्तर का पता लगाना ।

2–प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूकता के मध्य (जैसे– लिंग, प्रबंधन के प्रकार के रूप में) महत्वपूर्ण अंतर का पता लगाना हैं।

अध्ययन की परिकल्पना

1– प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूकता का स्तर औसत नहीं हैं।

2– प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूकता के मध्य (जैसे– लिंग, प्रबंधन के प्रकार के रूप में) कोई अंतर नहीं हैं।

सीमांकन

प्रस्तुत शोध पत्र में प्रयागराज जनपद में कार्यरत प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों तक सीमित है।

प्रस्तुत शोध पत्र में प्रयागराज जनपद में स्थित सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षकों का चयन किया गया हैं।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया हैं।

शोध जनसंख्या एवं प्रतिदर्श

प्रस्तुत शोध में प्रयागराज जनपद में कार्यरत सभी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को जनसँख्या माना गया हैं। वर्तमान अध्ययन में सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 100 शिक्षकों को प्रतिदर्श के रूप में चुना गया हैं।

क्रमांक	चर	उप प्रतिदर्श	कुल
1	लिंग के आधार पर	महिला–50 पुरुष–50	100
2	प्रबंधन के आधार पर	सरकारी–50 गैर सरकारी–50	100

न्यायदर्श तकनीकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रतिदर्श चयन के लिए सम्भाव्य तकनीकी के अंतर्गत सरल यादृच्छिक प्रतिदर्श विधि का प्रयोग किया गया हैं।

उपकरण

अन्वेषक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित उपकरण तैयार किया। अन्वेषक ने वर्तमान अध्ययन में डेटा एकत्र करने के लिए एक उपकरण के रूप में विकल्पीय प्रश्नों का चयन किया है। इस प्रश्नावली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राथमिक शिक्षा से संबंधित 30 प्रश्नों को जागरूकता एकांश के रूप में सम्मिलित किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

मध्यमान, मानक विचलन, टी– टेस्ट

आंकड़ों का विश्लेषण

परिकल्पना 1– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष और महिला शिक्षकों के मध्य जागरूकता में औसत अंतर नहीं है।

लिंग के आधार पर सरकारी प्राथमिक शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मुक्तांश	टी– अनुपात	सार्थकता स्तर
पुरुष	25	20.04	4.21004	48	0.5439637	0.05
महिला	25	19.76	4.6123			0.01

उपरोक्त तालिका के अनुसार परिगणित t = 0.5439637 का मान का मान मुक्तांश 48 के लिए आवश्यक परिगणित मान 0.01 और 0.05 के क्रमशः 2.58 एवं 1.96 से कम हैं, अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है कि राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं है ।

परिकल्पना 2 – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं हैं।

लिंग के आधार पर गैर सरकारी प्राथमिक शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मुक्तांश	टी– अनुपात	सार्थकता स्तर
पुरुष	25	20.52	4.36	48	0.5	0.05
महिला	25	19.52	4.30	48		0.01

उपरोक्त तालिका के अनुसार परिगणित t = 0.5 का मान मुक्तांश 48 के लिए आवश्यक परिगणित मान 0.01 और 0.05 के क्रमशः 2.58 एवं 1.96 से कम हैं अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता हैं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं हैं।

परिकल्पना 3 – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं हैं।

लिंग के आधार पर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मुक्तांश	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
पुरुष	50	20.14	4.3611	98	0.861363	0.05
महिला	50	20.28	3.9251			0.01

उपरोक्त तालिका के अनुसार परिगणित t = 0.861363 का मान मुक्तांश 98 के लिए आवश्यक परिगणित मान 0.01 और 0.05 के आवश्यक मान क्रमशः 2.58 एवं 1.96 से कम हैं अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता हैं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति लिंग के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं हैं।

परिकल्पना 4 – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं हैं।

प्रबंधन के आधार पर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मुक्तांश	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
सरकारी	50	19.9	4.210046	98	0.455971	0.05
गैर सरकारी	50	20.52	4.051908			0.01

उपरोक्त तालिका के अनुसार परिगणित t = 0.455971 का मान मुक्तांश 98 के लिए आवश्यक परिगणित मान 0.01 और 0.05 के आवश्यक मान क्रमशः 2.58 एवं 1.96 से कम हैं अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता हैं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति प्रबंधन के आधार पर सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मध्य जागरूकता में कोई अंतर नहीं हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष

1– सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षक समान रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूक हैं।

2– गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षक समान रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूक हैं।

3– लिंग के आधार पर प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षक समान रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूक हैं।

4– प्रबंधन के आधार पर सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक समान रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूक हैं।

निष्कर्ष

निर्धारित सीमा और अध्ययन के तहत यह शोध यह बताने में सक्षम हैं की प्रयागराज जनपद में कार्यरत प्राथमिक स्तर के शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति औसत स्तर से ही जागरूक हैं। वही महिला शिक्षिकाओं में जागरूकता का स्तर पुरुष शिक्षकों की तुलना में अधिक रहा है किन्तु परिणाम संतोषजनक नहीं है। शिक्षकों में जागरूकता का स्तर बढ़ाने के लिए राज्य या केंद्र सरकार द्वारा एनईपी 2020 से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित किया जाना चाहिए। बेंजामिन डिसरायली ने कहा था की 'सफलता का रहस्य यह है की आपका अवसर आने पर आपको तैयार रहना होगा! भारतीय शिक्षकों का समय आ गया है की अपने भाग्य के निर्माता स्वयं बने। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षक जगत की वास्तविकता को स्वीकार करता है और पूरी तरह से शिक्षकों के लिए अवसर प्रदान करता हैं, साथ ही यह शिक्षकों की योग्यता आधारित संरचना को समझता हैं और उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रोत्साहित करता है, पहचान देता है। इसके लिए शिक्षकों को कार्यकाल, वेतन और पदोन्नति इत्यादि सुविधा भी प्रदान करता हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- अफ्रीका, ई. (2018, मार्च 8). द सीक्रिट ऑफ सक्सेस इस कान्स्टन्सी तो पर्पज– ईआरजी अफ्रीका ईआरजी अफ्रीका. रिट्राइव फॉर्म–12–05–2024.https://www.ergafrica.com/the-secret-of-success-is-constancy-to-purpose/
- ओड़, के. एल. (2016). शिक्षा की दार्शनिक पृष्ठभूमि. राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, प्लाट नं. झालाना सांस्थानिक क्षेत्र जयपुर, आई एस बी एन– 978–93–5131–233–9
- गुप्ता, एस. पी. और गुप्ता, ए. (2020). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन. शारदा पुस्तक भवन. प्रयागराज, आई एस बी एन– 978–93–82778–99–8
- गोत्र ध्रुव. (2024 अप्रैल 20). नेशनल एजुकेशन पालिसी (एन ई पी) 2023: न्यू एजुकेशन पॉलिसी इन हिन्दी. एन वी एस एच क्यू हिन्दी. . https://hindi.nvshq.org/new-national-education-policy/
- कुमार, ए. (2020). न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एन ई पी) 2020: ए रोडमैप फॉर इंडिया 2.0 डिजिटल कॉमनस/यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा. रिट्रीव फ्रॉम. 12/09/2023– https://digitalcommons.usf.edu/m3publishing/vol3/iss2021/36/
- लीड स्कूल. (2024 मई 8). व्हाट इज नैशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020:/ लीड स्कूल. रिट्रीव फ्रॉम–12/08/2023 https://leadschool.in/school-owner/national-education-policy-nep-2020/

- मास्टरसॉफ्ट. (2023). एन ई पी 2020 न्यू ऐकडेमिक स्ट्रक्चर इक्स्प्लैन–5+3+3+4 एजुकेशन सिस्टम. रिट्रीव फ्रॉम 12 / 12 / 2023–https://www.iitms.co.in/blog/new-academic-structure-5-3-3-4-education-system.html
- मरुथावानन,एम. (2020). ए स्टडी ऑन द अवेयरनेस ऑन न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2019 अमंग सेकन्डेरी स्कूल टीचर्स इन डिस्ट्रिक्ट मदुरै. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, वाल्यूम. 8(3), पृष्ठ संख्या. 67.71
- एम. एच. आर. डी. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020: शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
- मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन. (2020). साइलेंट फीचर्स ऑफ एन ई पी, 2020- पी आई बी. गॉव. इन. रिट्रीव फ्रॉम. 12 / 09 / 2023– https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1847066
- प्रभु, एम., और मणि. एम., (2021), ए स्टडी ऑन द अवेयरनेस ऑफ न्यू एजुकेशन पॉलिसी अमंग द प्राइमरी स्कूल टीचर इन दिंडीगुल डिस्ट्रिक्टः यूनवर्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्टर्डिसप्लनेरी रिसर्च, वॉल्यूम–01 इशू–10 आई एस एस एन–2558–6417
- रमासमी, एस., और नागावल्ली, टी. (202). अवेयरनेस ऑफ टीचर्स एण्ड कॉलेज स्टूडेंट्स ऑन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020- सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क. रिट्रीव फ्रॉम. 12 / 08 / 2023– https://doi.org/10.2139/ssrn.3718304
- सरकार, एस., एंड सरकार, एल. (2021). विज़न ऑफ़ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 इन स्कूल एजुकेशन. इंटरनेशनल जर्नल मल्टीडिसप्लनेरी एजुकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम 10 इशू–1(5),
- शर्मा, पी. के. और बाला एस. (2021). ए स्टडी ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020: अवेयरनेस अमंग सेकन्डेरी स्कूल टीचर्स इन डिस्ट्रिक्ट कंगरा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड ऐकडेमिक स्टडीस, वाल्यूम. 4 (1), पृष्ठ संख्या. 240–244
- सोन्धिया, एल. आर. (2022). ए स्टडी ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (2020) अवेयरनेस अमंग द स्कूल टीचर्स इन जबलपुर डिस्ट्रिक्ट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटीव रिसर्च इन टेक्नॉलजी. वाल्यूम. 8 (9), पृष्ठ संख्या. 77–80
- सिंह, ए. के. (2015). मानोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसी दास, जवाहर नगर, नई दिल्ली, आई एस बी एन– 978–81–208–2410–2

DrillBit

The Report is Generated by DrillBit Plagiarism Detection Software

Selected Language Hindi

Submission Information

Author Name	अनिकेत कुमार सिंह
Title	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्राथमिक शिक्षा के प्रावधानों के प्रति शिक्षकों में जागरूकता का अध्ययन
Paper/Submission ID	1813960
Submitted by	isdclib@gmail.com
Submission Date	2024-05-16 13:01:38
Document type	Article

Result Information

Similarity	0%

A Unique QR Code use to View/Download/Share Pdf File